By, Sujeet Kr. Suman
R. N. College
(Hajipur)

SNo-12 वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के प्रकारों का वर्णन करें ?

Ans.

वित्तीय विवरण के विश्लेषण में उन सभी तकनीकों को शामिल किया जाता है जो इन विवरणों के प्रयोगकर्त्ता द्वारा वित्तीय वित्तीय विवरणों में महत्त्वपूर्ण संबंध दिखाने के लिए प्रयोग की जाती है।

कुल मिलाकर वित्तीय विश्लेषण में कुछ निश्चित योजनाओं के आधार पर तथ्यों का विभाजन करना, निश्चित परिस्थितियों के अनुसार उनकी वर्ग रचना तथा सुविधाजनक एवं आसान रूप में पढ़ने तथा समझने योग्य रूप में उन्हें प्रस्तुत करना शामिल है।

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के प्रकार
(Types of Financial Statement Analysis) :—

वित्तीय विवरणों का विश्लेषण विभिन्न आधारों पर किया जा सकता है —

(1) विश्लेषण की प्रकृति एवं प्रयुक्त सामग्री के आधार पर
(According to the nature of Analyst and the materials used)

इस आधार पर वित्तीय विवरण विश्लेषण दो प्रकार के निम्न हो सकता है —

(a) बाह्य विश्लेषण (External Analysis) :— यह विश्लेषण उन व्यक्तियों या पक्षकारों द्वारा किया जाता है, जो उपक्रम से जुड़े नहीं होते अर्थात जिनकी उपक्रम के विस्तृत रिकॉर्ड तक पहुँच नहीं होती। इसका विश्लेषण मुख्यतः प्रकाशित लेखों, संचालक रिपोर्ट तथा अंकेक्षक रिपोर्ट पर आधारित होता है। विनियोक्ता, साख एजेन्सियों, सरकार एजेन्सियों तथा शोधकर्त्ता इसी प्रकार का विश्लेषण करते हैं।

Scanned with CamScanner

(b) आन्तरिक विश्लेषण (Internal Analysis): → यह विश्लेषण उन व्यक्तियों के द्वारा किया जाता है जिनकी उपक्रम की लेखा पुस्तकों तक पहुँच होती है, ये व्यक्ति संगठन/उपक्रम के सदस्य होते हैं। प्रबंध द्वारा उपक्रम की वित्तीय स्थिति तथा कार्यकुशलता के लिए किया जाने वाला विश्लेषण इसी वर्ग में आता है।

सामान्यतः आन्तरिक विश्लेषण अधिक विस्तृत एवं विश्वसनीय होता है, क्योंकि इसमें विश्लेषण को सभी प्रकार की आवश्यक सूचनाएँ आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं।

(2.) विश्लेषण के उद्देश्य के आधार पर
(According to the objectives of the Analysis):—

इस आधार भी वित्तीय विवरण विश्लेषण निम्न दो प्रकार का हो सकता है:—

(a.) दीर्घकालीन विश्लेषण (Long-term Analysis):— दीर्घकालीन वित्तीय नियोजन की दृष्टि से किया जाने वाला विश्लेषण दीर्घकालीन विश्लेषण कहलाता है। इसमें फर्म की दीर्घकालीन शोधनक्षमता, लाभदायकता तथा वित्तीय स्थायित्व के संबंध में विश्लेषण किया जाता है।

(b.) अल्पकालीन विश्लेषण (Short-term Analysis) → इसके अन्तर्गत अल्पकाल में शोधनक्षमता, तरलता, स्थायित्व तथा लाभदायकता, इत्यादि की दृष्टि से विश्लेषण किया जाता है।

(3.) कार्यविधि के आधार पर
(According to the modus Operandi):—

कार्यविधि के आधार पर भी विश्लेषण दो प्रकार के होते हैं:—

P.T.O.

(a.) क्षैतिज या गतिशील विश्लेषण (Horizontal or Dynamic Analysis):—

यह विश्लेषण एकही फर्म के विभिन्न वर्षों के वित्तरणों के आधार पर किया जाता है अतः इसे 'कालमाला विश्लेषण' या अन्तर फर्म विश्लेषण भी कहते हैं। दीर्घकालीन प्रवृत्ति विश्लेषण एवं नियोजन की दृष्टि से यह विश्लेषण काफी उपयोगी होता है। तुलनात्मक वित्तीय विवरण, प्रवृत्ति विश्लेषण, कोष प्रवाह विश्लेषण, इत्यादि इस प्रकार के विश्लेषण के ही उदाहरण है।

(b.) लम्बवत् या स्थिर विश्लेषण (Vertical or Static Analysis):—

इस विश्लेषण में एक विशिष्ट वर्ष के वित्तीय विवरणों के आधार पर ही विश्लेषण किया जाता है। इस प्रकार का विश्लेषण एक निश्चित तिथि पर वित्तीय संबंधों का विश्लेषण करता है। अतः इसे स्थिर विश्लेषण भी कहते हैं। इस विश्लेषण के आधार पर एक वर्ष में एक उपक्रम के विभिन्न विभागों या विभिन्न उपक्रमों का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है। इस दृष्टि से इसे क्रॉस—सेक्शन विश्लेषण कहा जाता है।

— o —

Scanned with CamScanner